14 (HIN-2) 2·2 (N/O)

2019

HINDI

Paper : 2·2

(New Syllabus & Old Syllabus)

(Hindī Sāhitya Kā Itihās–II)

Full Marks : 64/80

Time : Three hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions.

(New Syllabus)

Marks : 64

रीतिकाल की प्रारंभिक सीमा का उल्लेख करते हुए पूर्व-रीतिकालीन रीतिकाव्य-परंपरा पर सम्यक् प्रकाश डालिए। 12

अथवा

रीतिकाव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों का खुलासा कीजिए।

2. उत्तर-मध्यकाल के सन्दर्भ में 'शृंगारकाल' और 'रीतिकाल' - जैसे नामों की उपयुक्तता पर विचार प्रकट कीजिए। 12

अथवा

रीतिकाल की उपलब्ध-सामग्रियों का संकेत करते हुए उनका वर्गीकरण कीजिए।

3. रीतिसिद्ध काव्यधारा (आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र के मतानुसार) को कविवर बिहारी की देन पर प्रकाश डालिए। 12

अथवा

चिन्तामणि त्रिपाठी, घनानन्द, भूषण और वृन्द में से ***किन्हीं दो*** कवियों का साहित्यिक परिचय प्रस्तुत कीजिए।

4. रीतिकालीन सन्त, सूफी, राम एवं कृष्ण काव्यधाराओं पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए। 12

अथवा

रीतिकाल की काव्यशास्त्रीय विवेचन संबंधी उपलब्धियों का सम्यक् विवेचन कीजिए।

5. ***किन्हीं चार*** प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 4×4=16

(क) रीतिकाल की साहित्यिक परिस्थिति कैसी थी ?

(ख) रीतिकाव्य के शास्त्रीय आधार पर प्रकाश डालिए।

(ग) रीतिमुक्त काव्य किसे कहते हैं ?

(घ) आचार्य केशवदास की काव्यशास्त्रीय देन का उल्लेख कीजिए।

(ङ) कवि आलम की साहित्यिक देन पर प्रकाश डालिए।

(च) 'रीति' शब्द का आशय स्पष्ट कीजिए।

(छ) रीतिकालीन वीरकाव्य के महत्व का आकलन कीजिए।

(Old Syllabus)

Marks : 80

1. रीतिकाल की विविध परिस्थितियों पर सम्यक् प्रकाश डालि

अथवा

रीतिकालीन उपलब्धियों का मूल्यांकन कीजिए।

2. आधुनिक काल के नामकरण एवं उप-विभाजन पर चर्चा कीजि

अथवा

छायावादी काव्य-धारा की प्रमुख विशेषताओं को सोदाह रेखांकित कीजिए।

3. अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' एवं मैथिलीशरण गुप्त साहित्यिक देन पर प्रकाश डालिए।

अथवा

प्रगतिवादी काव्यधारा की सामान्य विशेषताओं का खुल कीजिए।

4. हिन्दी नाट्य साहित्य को बाबू भारतेन्दु हरिश्चन्द्र की देन का मूल्यांकन कीजिए। 16

अथवा

प्रेमचन्द्रयुगीन हिन्दी कहानी के विकास का लेखा-जोखा प्रस्तुत कीजिए।

5. ***किन्हीं चार*** प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 4×4=16

(क) रीतिकाल को शृंगार काल कहना कहाँ तक उचित है ?

(ख) रीतिकालीन वीरकाव्य पर एक टिप्पणी लिखिए।

(ग) रीतिमुक्त काव्यधारा का आशय बताइए।

(घ) आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी के महत्व का आकलन कीजिए।

(ङ) आंचलिक उपन्यास को फणीश्वर नाथ 'रेणु' के योगदान पर चर्चा कीजिए।

(च) रामचन्द्र शुक्ल के विचारात्मक निबन्धों की *किन्हीं चार* विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(छ) नई कहानी की *चार* विशेषताएँ बताइए।

(ज) गजानन माधव मुक्तिबोध का साहित्यिक परिचय दीजिए।